द इकॉनमिक टाइम्स, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के कॉन्क्लेव में बोले आबकारी मंत्री...

देश का AI कैपिटल बनेगा लखनऊ

■ एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ

यूपी की राजधानी लखनऊ जल्द देश की एआई कैपिटल बनेगी। प्रदेश के आबकारी एवं निषेध मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने शुक्रवार को सुशांत गोल्फ सिटी के एक होटल में द इकॉनमिक टाइम्स, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के सहयोग से 'उत्तर प्रदेशः आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के साथ भविष्य का निर्माण' पर हुए कॉन्क्लेव में कहा कि लखनऊ में एआई सिटी बसाने के लिए जमीन चिह्नित की जा चुकी है। अब प्रदेश में एआई पॉलिसी के साथ एआई मिशन लागू होगा और एआई फंड बनेगा। यूपी सरकार ने एआई केंद्र बनाने के लिए वैश्विक और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनियों से बातचीत भी शुरू कर दी है।

9 माह में डेटा सेंटर

उद्घाटन सत्र में 'उत्तर प्रदेश के एआई भविष्य और एआई सिटी परियोजनाः दृष्टिकोण, नवाचार और नेतृत्व' पर चर्चा हुई। इसमें सिफी टेक्नॉलजीज के ग्लोबल चेयरमैन और प्रबंध निदेशक राजू वेगेसना ने बताया कि यूपी में बिजनेस काफी आसान हो गया है। यूपी में सबसे पहले डेटा सेंटर स्थापित करने का मौका हमें नोएडा में मिला था। अगले नौ महीने में लखनऊ में 130 मेगावाट का एआई डेटा सेंटर तैयार हो जाएगा।

एआई से जनसुनवाई

आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने बताया कि तेलंगाना की तर्ज पर एआई पॉलिसी तैयार की जा रही है। मुख्य सचिव के निर्देश पर एआई के जरिए जनसुनवाई की दिशा में भी काम चल रहा है।

क्वॉलिटी होगी बेहतर

बेसिक शिक्षा के प्रमुख सचिव डॉ. एमकेएस सुंदरम ने बताया कि एआई के इस्तेमाल से शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के सात मिड डे मील की गुणवत्ता को परखने के प्रयास भी जारी हैं। वहीं, बिल्डिंग ए फ्यूचर रेडयर एआई बेनेफिट्स एवरीवन' सत्र में NVIDIA के साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक विशाल भूपर ने एआई के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों की जानकारी दी। बताया कि कैसे एआई भारत के विभिन्न उद्योगों और जीवनशैली को बदल सकता है।

महाकुंभ में भी AI, आसान होगा भाषा समझना

नितिन अग्रवाल ने बताया कि महाकुंभ के आयोजन में कई क्षेत्रों में एआई का इस्तेमाल हो जा रहा है। मेला क्षेत्र में बने आईसीयू में एआई मेसेजिंग सिस्टम का इस्तेमाल होगा। इससे किसी भी देश या राज्य से आने वालों से संवाद में आसानी होगी। एआई सिस्टम 22 रीजनल और 19 अंतरराष्ट्रीय भाषाएं समझ सकता है। मंत्री ने कहा कि देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था उत्तर प्रदेश की है। गुजरात और महाराष्ट्र के बाद निवेश के लिए अब यूपी सबसे अहम हो गया है।

कृषि उत्पादन आयुक्त नोनिका एस गर्ग ने कहा कि एआई के इस्तेमाल से स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है।

द इकॉनमिक टाइम्स, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के सहयोग से कॉन्क्लेव का आयोजन हुआ।

'उत्तर प्रदेशः आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के साथ भविष्य का निर्माण' पर कॉन्क्लेव में चर्चा हुई।

आयोजन के दौरान स्टॉल भी सजाए गए।

पकड़ेगा अपराधियों का झूठ, योजनाबद्ध तरीके से होगी जांच

डीजी रूल्स एंड मैनुअल्स आशीष गुप्ता ने बताया कि एआई के इस्तेमाल से योजनाबद्ध तरीके से विवेचना की जा सकती है। अपराधियों से पूछताछ में एआई की मदद से उनका झूठ पकड़ा जा सकता है। एमएसएमई विभाग के सचिव प्रांजल यादव ने बताया कि कैसे एआई के इस्तेमाल से उद्योगों को व्यापक रूप से बढ़ाया जा सकता है।

किसानों के लिए मददगार AI, खुलेंगे इलाज के नए रास्ते

ईटी विजन कॉन्क्लेव में हुए आठ से अधिक सेशन में देश-विदेश के विशेषज्ञों ने एआई से जुड़े कई पहलुओं पर चर्चा की। इसमें 250 से अधिक डेलीगेट्स शामिल हुए। इस दौरान विशेषज्ञों ने एआई से होने वाले फायदे और नुकसान से जुड़ी जानकारियां दीं।

डिजिटल क्लोन पर होगा दवा का ट्रायल

आईआईटी कानपुर के असोसिएट प्रफेसर केतन रजावत ने बताया कि आईआईटी कानपुर 30 से अधिक स्टार्टअप पर काम कर रहा है। इसमें एआई की भी मदद ली जा रही है। ऐसी डिवाइस पर काम चल रहा है, जो लेफ्ट वेंट्रीकुलर पंपिंग डिवाइस (एलवीएडी) को रिप्लेस करेगी। मौजूदा वक्त में इस इंपोर्टेड डिवाइस की कीमत 1.20 करोड़ रुपये है, जबकि आईआईटी कानपुर महज 10 लाख रुपये में तैयार करने का प्रयास कर रहा है। उसी तरह डिजिटल क्लोन बनाने की दिशा में भी काम चल रहा है। इससे डॉक्टर किसी मरीज के बजाय डिजिटल क्लोन पर ही दवा की ट्रायल कर सकेंगे।

चैटबॉट दे रहा हर जवाब

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया एंड साउथ एशिया में चीफ टेक्नॉलजी अफसर डॉ. रोहिणी श्रीवास्तव ने बताया कि आईटीसी ने माइक्रोसॉफ्ट की मदद से किसानों की मदद में लिए एआई चैटबॉट कृषि मित्रा तैयार किया है। इससे किसान अपने सवालों के जवाब हासिल कर सकते हैं। इसी तरह बेंगलुरु के शंकरा हॉस्पिटल के साथ कैटरेक्ट बॉट बनाया गया है।

साइबर जालसाजी में भी एआई

नेविगेटिंग एआई पॉलिसी-फ्रेम वर्क्स फॉर सेफ एंड इफेक्टिव एआई डिप्लॉयमेंट सेशन में ट्रिपल आईटी लखनऊ के असोसिएट प्रफेसर डॉ दीपक कुमार सिंह ने एआई से होने वाले फायदे के साथ ही नुकसान के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि एआई की मदद से ही साइबर जालसाज डिजिटल अरेस्ट सरीखे क्राइम कर मुश्किलें बढ़ा रहे हैं।

ग्लोबल डेटा कलेक्शन में भी मददगार

डेटा सेंटर डिजाइन एंड बिल्ड, एसटी टेली मीडिया ग्लोबल डेटा सेंटरस के असोसिएट वाइस प्रेसिडेंट शशि भूषण प्रसाद ने एआई की मदद से डेटा कलेक्शन और डिजाइन के बारे में जानकारियां दीं। विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि एआई पूरे विश्व में डेटा कलेक्शन में भी मददगार साबित हो रहा है। ट्रांसफार्मिंग पीएसयू विद इनोवेटिव डिस्प्ले सॉल्यूशंस सेशन में गवर्नमेंट बिजनेश फॉर स्मार्ट डिस्प्ले सॉल्यूशन सैमसंग इंडिया के नेशनल वर्टिकल मैनेजर विपुल जैन ने एआई के फायदे के बारे में बताया।

कई विशेषज्ञों ने दी जानकारी

एनसीटी ऑफ दिल्ली के जॉइंट डायरेक्टर (आईटी) मुरुगन, आईआईटी कानपुर के प्रफेसर दीपक गुप्ता, इनोवेशन अटैच एआई एक्सपर्ट एम्बेसी ऑफ इजरायल इन इंडिया की माया शेरमन, साउथ एशिया काउंसल कमर्शल आस्ट्रेलियन ट्रेड एंड इंवेस्टमेंट कमिशन, आस्ट्रेलियन गवर्नमेंट के ट्रेड एंड इनवेस्टमेंट कमिश्नर अब्दुल एकरम, एआई टैली सॉल्यूशन के लीड ऑर्किटेक्ट तुहिन सेन गुप्ता ने भी अहम जानकारियां दीं। इसी तरह हायर एजुकेशन ऐंड प्रिंसिपल रेजीडेंट कमिश्नर, गवर्नमेंट ऑफ जम्मू ऐंड कश्मीर की कमिश्नर व सचिव डॉ. रश्मि सिंह, आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक डिपार्टमेंट, यूपी की विशेष सचिव नेहा जैन समेत कई विशेषज्ञों ने एआई पर अपने विचार रखे।